SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

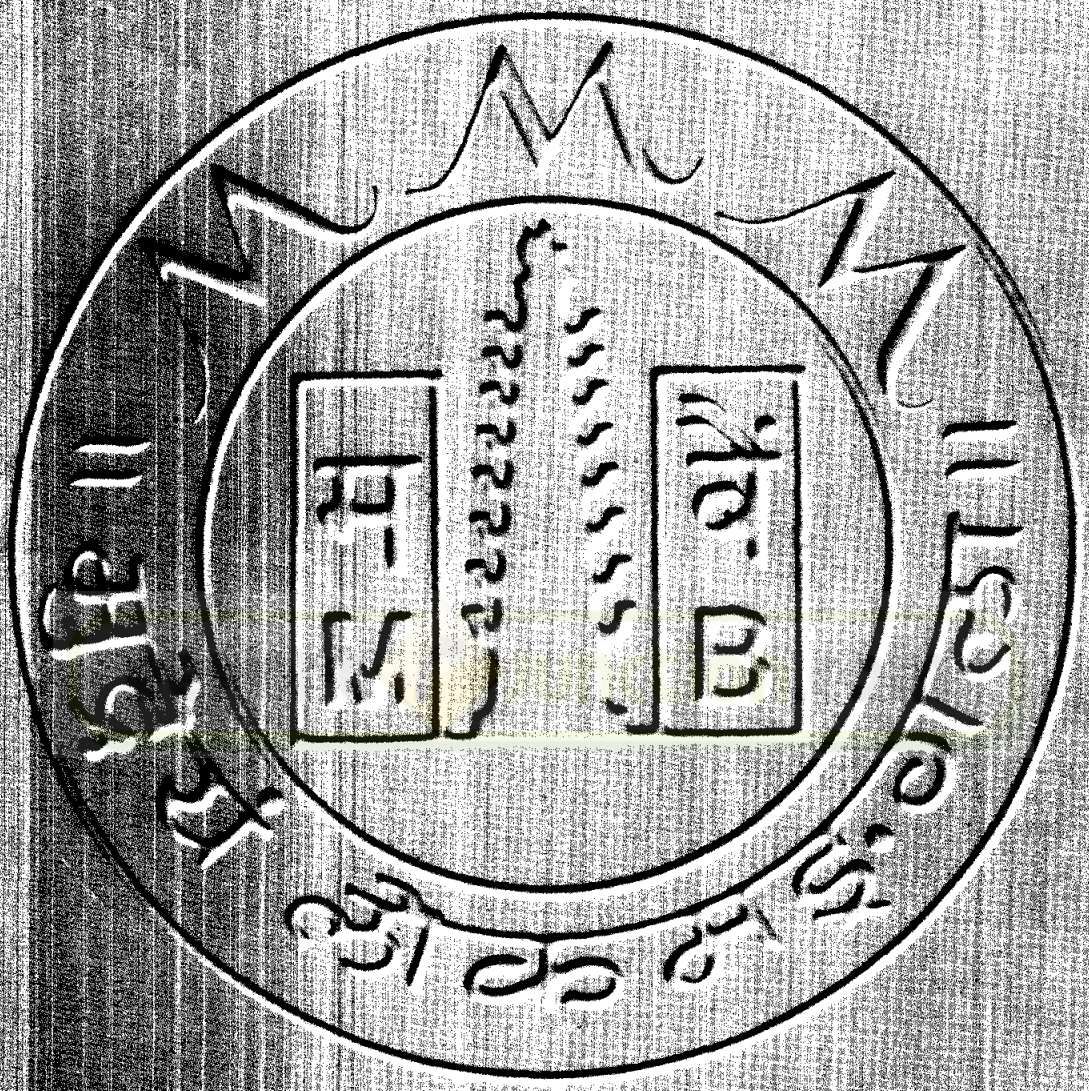

2000-2001

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री एस. सी. बसु (अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक)
Shri S. C. Basu (Chairman & Managing Director)

श्री ए. के. एस. राव (कार्यपालक निदेशक)
Shri A. K. S. Rao (Executive Director)

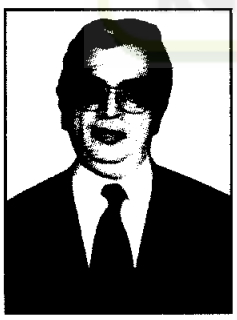

श्री ए. वी. सरदेसाई
(24.7.2000 से 31.5.2001 तक)
Shri A. V. Sardesai
(From 24.7.2000 to 31.5.2001)

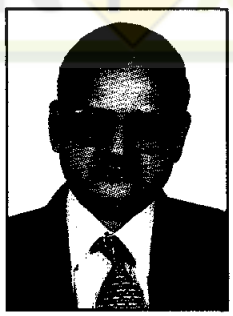

श्री योगेश चंद्र
Shri Yogesh Chandra

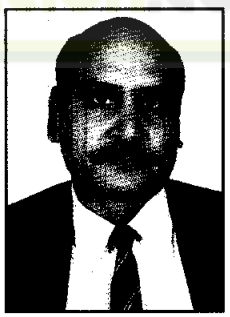

श्री डी. पी. एस. राठौर
Shri D. P. S. Rathore

श्री वी. आर. उटगी
Shri V. R. Utagi

बैंक के तुलनपत्र पर हस्ताक्षर करते हुए
निदेशक मंडल के सदस्यगण।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उप महाप्रबंधक DY. GENERAL MANAGERS

श्री जे. के. शेठ*
Shri J. K. Sheth*

श्री आर. एन. तावडे
Shri R. N. Tawade

श्री ए. आर. जोशी
Shri A. R. Joshi

श्री एस. आर. जोशी
Shri S. R. Joshi

श्री आर. डी. वेलणकर
Shri R. D. Velankar

श्री वी. वी. करंदीकर
Shri V. V. Karandikar

श्री वी. वाय. छापेकर
Shri V. Y. Chhapekar

श्री जी. एन. शानभाग
Shri G. N. Shanbhag

श्री ए. टी. हलसगीकर
Shri A. T. Halasgikar

श्री एम. एस. जोशी
Shri M. S. Joshi

श्री बी. के. पिपरैया
Shri B. K. Piparaiya

श्री ए. एस. बनर्जी
Shri A. S. Banerjee

श्री के. एच. वझे
Shri K. H. Waze

श्री एम. ए. सरदेसाई
Shri M. A. Sardesai

श्री आर. एच. कुलकर्णी
Shri R. H. Kulkarni

श्रीमती एस. ए. पानसे
Smt. S. A. Panse

श्री टी. के. मुखर्जी
Shri T. K. Mukherjee

*(स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में प्रतिनियुक्ति पर) *(On deputation to State Bank of Travancore)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल

श्री एस. सी. बसु (अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक)
श्री ए. के. एस. राव (कार्यपालक निदेशक)
श्री योगेश चंद्र
श्री ए. वी. सरदेसाई (24.7.2000 से 31.5.2001 तक)
श्री डी. पी. एस. राठौर (1.6.2001 से)
श्री वी. आर. उटगी

BOARD OF DIRECTORS

Shri S. C. Basu (Chairman & Managing Director)
Shri A. K. S. Rao (Executive Director)
Shri Yogesh Chandra
Shri A. V. Sardesai (From 24.7.2000 to 31.5.2001)
Shri D. P. S. Rathore (From 1.6.2001)
Shri V. R. Utagi

लेखा परीक्षक

मे. एन. चौधरी एंड कंपनी, कोलकाता
मे. के. बी. चांदना एंड कंपनी, नई दिल्ली
मे. नृपेन्द्र एंड कंपनी, कानपुर
मे. एस. आर. गोयल एंड कंपनी, जयपुर
मे. श्रीधर एंड संतानम, चेन्नई
मे. एन. कुमार छाबड़ा एंड कंपनी, चंडीगढ़

AUDITORS

M/s N. Chaudhuri & Co., Kolkata
M/s K. B. Chandna & Co., New Delhi
M/s Nripendra & Co., Kanpur
M/s S. R. Goyal & Co., Jaipur
M/s Sridhar & Santhanam, Chennai
M/s N. Kumar Chhabra & Co., Chandigarh

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधान कार्यालय : 'लोकमंगल', 1501,
शिवाजीनगर, पुणे 411 005
वेब : www.bank-of-maharashtra.com

Bank of Maharashtra
(Govt. of India undertaking)
Head Office : 'Lokmangal', 1501,
Shivajinagar, Pune 411 005
Web : www.bank-of-maharashtra.com

महाप्रबंधक GENERAL MANAGERS

श्री पी. के. नेने
(30.4.2001 तक)
Shri P. K. Nene
(upto 30.4.2001)

श्री आर. एम. नायक
Shri R. M. Nayak

श्री ए. वाय. कोल्हटकर
Shri A. Y. Kolhatkar

श्री के. पार्थसारथी
Shri K. Parthasarathy

श्री ए. वी. दुगाडे
Shri A. V. Dugade

श्री एम. पी. काळे
Shri M. P. Kale

श्री ए. के. भूमकर
Shri A. K. Bhoomkar

श्री वी. बी. लाल सक्सेना
Shri V. B. Lal Seksena

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सहायक महाप्रबंधक	ASSISTANT GENERAL MANAGERS
श्री ए. एम. गोखले	Shri A. M. Gokhale
श्री पी. पी. कराडकर	Shri P. P. Karadkar
श्री एस. एम. भुर्के	Shri S. M. Bhurke
डॉ. वी. ए. देशपांडे	Dr. V. A. Deshpande
श्री वी. के. आंबेकर	Shri V. K. Ambekar
श्री वी.सी. चिटणवीस	Shri V. C. Chitanavis
श्री वी. आर. गुप्ता	Shri V. R. Gupta
श्री एम. वी. ढोबळे	Shri M. V. Dhobale
श्री बी. के. महाजन	Shri B. K. Mahajan
श्री एस. डी. सरनोबत	Shri S. D. Sarnobat
श्री एस. के. पुणेकर	Shri S. K. Punekar
श्री वी. ई. दळवी	Shri V. E. Dalvi
श्री आर. मुरलीधरन	Shri R. Muralidharan
श्री एस. राजगोपाल	Shri S. Rajgopal
(मैजिक ई-मनी लिमिटेड में प्रतिनियुक्ति पर)	(On deputation to MAGIC E-MONEY LIMITED)
श्री ए. एम. जोशी	Shri A. M. Joshi
(मराठवाड़ा ग्रामीण बैंक में प्रतिनियुक्ति पर)	(On deputation to Marathwada Gramin Bank)
श्री वी. कन्नन	Shri V. Kannan
श्री आर. पार्थसारथी	Shri R. Parthasarathy
श्री एस.आर. काशीकर	Shri S. R. Kashikar
श्री आर. जयशंकर	Shri R. Jeyashankar
श्री डी. एस. मंगरुळकर	Shri D. S. Mangarulkar
श्री ए. एल. बापट	Shri A. L. Bapat
श्री आर. रमेश	Shri R. Ramesh
श्री एस. पी. नाथ	Shri S. P. Nath
श्री डी. एम. गोखले	Shri D. M. Gokhale
श्री एस. बी. दाते	Shri S. B. Date

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

महाप्रबंधक	GENERAL MANAGERS
श्री पी . के . नेने (30.4.2001 तक)	Shri P. K. Nene (upto 30.4.2001)
श्री आर . एम . नायक	Shri R. M. Nayak
श्री ए . वाय . कोल्हटकर	Shri A. Y. Kolhatkar
श्री के . पार्थसारथी	Shri K. Parthasarathy
श्री ए . वी . दुगाडे	Shri A. V. Dugade
श्री एम . पी . काळे	Shri M. P. Kale
श्री ए . के .भूमकर	Shri A. K. Bhoomkar
श्री वी . बी . लाल सक्सेना	Shri V. B. Lal Seksena

उप महाप्रबंधक	DEPUTY GENERAL MANAGERS
श्री जे . के . शेठ	Shri J. K. Sheth
(स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में प्रतिनियुक्ति पर)	(On deputation to State Bank of Travancore)
श्री आर . एन . तावडे	Shri R. N. Tawade
श्री ए . आर . जोशी	Shri A. R. Joshi
श्री एस . आर . जोशी	Shri S. R. Joshi
श्री आर . डी . वेलणकर	Shri R. D.Velankar
श्री वी . वी . करंदीकर	Shri V. V. Karandikar
श्री वी . वाय . छापेकर	Shri V. Y. Chhapekar
श्री जी . एन . शानभाग	Shri G. N. Shanbhag
श्री ए . टी . हलसगीकर	Shri A. T. Halasgikar
श्री एम . एस . जोशी	Shri M. S. Joshi
श्री बी . के . पिपरैया	Shri B. K. Piparaiya
श्री ए . एस . बनर्जी	Shri A. S. Banerjee
श्री के . एच . वझे	Shri K. H. Waze
श्री एम . ए . सरदेसाई	Shri M. A. Sardesai
श्री आर . एच . कुलकर्णी	Shri R. H. Kulkarni
श्रीमती एस . ए . पानसे	Smt. S. A. Panse
श्री टी . के . मुखर्जी	Shri T. K. Mukherjee

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 2000-2001

भारतीय आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 2000-2001 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि पिछले दो वर्षों के दौरान प्राप्त 6.4 प्रतिशत एवं 6.6 प्रतिशत की तुलना में 6.0 प्रतिशत रही । वर्ष 2000-2001 के दौरान औद्योगिक क्षेत्र का समग्र वृद्धि निष्पादन गत वर्ष से कुछ कम अनुमानित है । भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमानों के अनुसार वर्ष 2000-2001 के दौरान कृषि क्षेत्र में वृद्धि गत वर्ष के 0.7 प्रतिशत की तुलना में 0.9 प्रतिशत रही । सेवा क्षेत्र ने वृद्धि दर्शाना जारी रखा है ।

मुद्रास्फीति

थोक मूल्य सूचकांक (आधार 1993-94 = 100) में परिवर्तन से मापी गई अंक-दर-अंक आधार पर मुद्रास्फीति की वार्षिक दर एक वर्ष पूर्व की 6.8 प्रतिशत की तुलना में 4.9 प्रतिशत रही ।

थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि मुख्यतः 'ईंधन, बिजली एवं चिकनाई के पदार्थ' के उप समूह (भार 14.2 प्रतिशत) के मूल्यों में वृद्धि के कारण थी, जिसने एक वर्ष पहले की 26.9 प्रतिशत की वृद्धि से भी ऊपर 15.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की । उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अंतर्गत प्रतिबिंबित मुद्रास्फीति फरवरी 2001 के अंत तक 3.0 प्रतिशत (अंक-दर-अंक आधार पर) और 4.0 प्रतिशत (औसत आधार पर) काफी निम्नतर थी ।

पेट्रोलियम उप-समूह को छोड़कर मुद्रास्फीति दर मार्च 31, 2001 को 2.6 प्रतिशत थी । अच्छे निर्यातों के साथ वर्ष के दौरान बाह्य क्षेत्र भी समग्रतः संतोषजनक रहा तथा चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 2.0 प्रतिशत से पर्याप्त कम रहने की संभावना है ।

राजकोषीय घाटा

संघीय बजट के संशोधित अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2000-2001 के लिए केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा रु.1,11,972 करोड़ रहा जबकि बजट अनुमान रु.1,11,275 करोड़ था । राजकोषीय घाटे के इस नियंत्रण से मौद्रिक और ऋण प्रबंध के कार्य में सुविधा हुई क्योंकि केन्द्र सरकार का रु.1,15,183 करोड़ (सकल)

DIRECTORS' REPORT 2000-2001

Indian Economic Scene

The GDP growth in the year 2000-2001 is around 6.0 per cent as compared with 6.4 per cent and 6.6 per cent in the previous two years. The overall growth performance of the industrial sector during 2000-01 is estimated to be somewhat lower than that in the previous year. As per RBI estimates, the growth in agricultural sector was at 0.9 per cent during 2000-01 as against 0.7 per cent in the previous year. Service sector has shown a continued growth path.

Inflation

The annual rate of inflation on a point-to-point basis as measured by variations in the wholesale price index (base 1993-94 = 100) worked out to 4.9 per cent in 2000-01 as against 6.8 per cent a year ago.

The rise in WPI was mainly due to increase in prices of 'fuel, power, light and lubricants' sub-group (weight 14.2) which recorded a substantial increase of 15.3 per cent on top of an increase of 26.9 per cent a year ago. Inflation as reflected in consumer price index (CPI) was much lower at 3.0 per cent on a point-to-point basis and 4.0 per cent on an average basis up to end-February 2001.

Excluding the petroleum sub-group, the inflation rate was 2.6 per cent as on March 31, 2001. The external sector was also comfortable during the year as a whole with exports doing well and current account deficit expected to be considerably lower than 2.0 per cent of GDP.

Fiscal Deficit

As per the revised estimates in the Union Budget, the fiscal deficit of the Central Government for 2000-01 was placed at Rs.1,11,972 crore as against budget estimate of Rs.1,11,275 crore. This containment of fiscal deficit facilitated the task of monetary and debt management as the market-borrowing programme of the Central Government of

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

का बाजार उधार कार्यक्रम ब्याज दरों पर उचित दबाव के बिना चलाया जा सका ।

मुद्रा आपूर्ति

वर्ष 2000-2001 के दौरान अंक-दर-अंक आधार पर मुद्रा आपूर्ति ($एम_3$) में वार्षिक वृद्धि एक वर्ष पहले के 14.6 प्रतिशत की तुलना में 16.2 प्रतिशत पर उच्चतर रही । इस समग्र मौद्रिक विस्तार में इंडिया मिलेनियम जमाराशियों (आइएमडी) की रु.25,662 करोड़ की बड़ी राशि प्राप्त हुई । आइएमडी प्राप्तियों से निवल $एम_3$ में वार्षिक वृद्धि 13.9 प्रतिशत रही । घटकों में से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियों में वृद्धि गत वर्ष के 13.9 प्रतिशत की तुलना में 16.5 प्रतिशत पर उच्चतर रही ।

निधियों का प्रवाह

वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित बैंकों से निधियों का कुल प्रवाह, जिसमें सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और निजी कंपनी क्षेत्र के बांडों / डिबेंचरों / शेयरों, वाणिज्यिक पत्रों आदि में बैंकों के निवेश शामिल हैं, पिछले वर्ष के रु.71,600 करोड़ (17.9 प्रतिशत) की तुलना में रु.71,500 करोड़ (15.1 प्रतिशत) होने का अनुमान है । पूंजी निर्गमों, सार्वभौमिक निक्षेपागार रसीदों (जीडीआर) और वित्तीय संस्थाओं से उधार सहित वाणिज्यिक क्षेत्र को संसाधनों का कुल प्रवाह पिछले वर्ष के रु.1,38,000 करोड़ की तुलना में लगभग रु.1,49,000 करोड़ रहा ।

गुजरात भूकंप

गुजरात के भूकंप ने काफी नुकसान पहुंचाया है । जहां एक ओर उत्पादन की तत्काल क्षति बहुत अधिक होने की संभावना नहीं है वहीं दूसरी और बुनियादी संरचना को बहाल करने की लागत से राज्य पर राजकोषीय भार पड़ेगा जो राजस्व की हानि तथा राहत और पुनर्वास के वित्तपोषण को प्रतिबिंबित करता है ।

जनवरी 2001 में गुजरात राज्य में आये विनाशकारी भूकंप के कारण जान-माल की व्यापक क्षति को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने राज्य में राहत कार्य हेतु पैकेज की घोषणा की है ।

Rs.1,15,183 crore (gross) could be put through without undue pressure on interest rates.

Money Supply

During 2000-01, the annual growth in money supply (M_3) on a point-to-point basis was higher at 16.2 per cent as against 14.6 per cent a year ago. This overall monetary expansion captured large inflows amounting to Rs.25,662 crore of India Millennium Deposits (IMD). Net of IMD inflows, the annual growth in M_3 would work out to 13.9 per cent. Among the components, the growth in aggregate deposits of the scheduled commercial banks at 16.5 per cent was higher than that of 13.9 per cent in the previous year.

Flow of Funds

The total flow of funds from scheduled commercial banks to the commercial sector including banks' investments in bonds / debentures / shares of public sector undertakings and private corporate sector, commercial paper, etc. is estimated at about Rs.71,500 crore (15.1 per cent) as against Rs.71,600 crore (17.9 per cent) in the previous year. Total flow of resources to the commercial sector, including capital issues, global depository receipts (GDRs) and borrowing from financial institutions are placed at about Rs.1,49,000 crore as compared with Rs.1,38,000 crore in the previous year.

Gujarat Earthquake

The Gujarat earthquake has caused considerable damage. While the immediate loss of production may not be sizeable, the cost of restoration of infrastructure is expected to cause a fiscal strain on the state reflecting loss of revenue and financing of relief and rehabilitation.

In view of the devastating effect of earthquake in the state of Gujarat in January 2001 resulting in widespread damage to the properties and heavy loss of life, RBI announced a package of relief measures for the State.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बाह्य गतिविधियां

वर्ष के प्रथम छह महीनों में भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 2.5 बिलियन अमरीकी डालर की कमी आई । तेल की कीमतों में लगातार हुई वृद्धि के साथ-साथ अमरीका और यूरोप में ब्याज दरों में निरंतर वृद्धि और निम्नतर पूंजी प्रवाह के कारण ऐसा हुआ । लेकिन, वर्ष के उत्तरार्ध में विदेशी मुद्रा बाजार में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ । भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 7.0 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई और विदेशी मुद्रा दरों में उतार-चढ़ाव सामान्यतः व्यवस्थित और सीमाबद्ध रहा । यह अनुकूल गतिविधि मुख्यतः इंडिया मिलेनियम जमाराशि निर्गम, जिससे 5.5 बिलियन अमरीकी डालर की जमाराशियां प्राप्त हुईं, की भारी सफलता के कारण भारत की बाह्य संभावनाओं में विश्वास वापस आने की वजह से हुई ।

विदेशी मुद्रा भंडार

वर्ष के पूर्वार्ध में आरक्षितियों का औसत 36.7 बिलियन अमरीकी डालर रहा जो तेल आयातों की अतिरिक्त लागत अथवा यहां तक कि प्रत्याशित चालू खाता घाटे की तुलना में कई गुना अधिक है । वर्ष के दौरान निर्यात निष्पादन अच्छा रहा।

निर्यात

निर्यातों में वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रारंभ हुए समुत्थान ने वर्ष के दौरान अधिक गति पकड़ी और वर्ष 2000-2001 के प्रथम 11 माह के दौरान निर्यातों में वृद्धि गत वर्ष की इसी अवधि के दौरान 11.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 18.7 प्रतिशत पर उच्चतर रही । निर्यातों में वृद्धि मुख्यतः निर्मित उत्पादों विशेषतः इंजीनियरिंग वस्तुओं, चमड़ा, निर्मित रसायनों एवं संबद्ध उत्पादों व पेट्रोलियम के कारण हुई ।

आयात

दूसरी तरफ आयात वर्ष 1999-2000 के 10.5 प्रतिशत की तुलना में 8.0 प्रतिशत की कम दर से बढ़े ।

व्यापार घाटा

निर्यातों में उच्च वृद्धि तथा आयातों में कम वृद्धि के परिणामस्वरूप व्यापार घाटा गत वर्ष के 8.6 बिलियन अमरीकी डालर की तुलना में 5.7 बिलियन अमरीकी डालर पर कम रहा ।

External Developments

There was a decline in India's foreign currency assets by US $ 2.5 billion in the first six months of the year. This was due to continued high oil prices, combined with successive increases in interest rates in USA and Europe and lower capital inflows. The second half of the year, however, saw a sharp turnaround in the forex market. India's foreign currency assets increased by about US $ 7.0 billion, and exchange rate movements were generally orderly and range-bound. This favorable development was largely due to restoration of confidence in India's external prospects as witnessed from the huge success of IMD issue, which attracted deposits of US $ 5.5 billion.

Forex Reserves

Reserves in the first half of the year averaged US $ 36.7 billion, which was several times higher than the additional cost of oil imports or even the size of anticipated current account deficit. Exports also did well throughout the year.

Exports

The export recovery that started during 1999-2000, gained further momentum during the year as exports recorded an increase of 18.7 per cent during the first eleven months of 2000-2001 on top of an increase of 11.1 per cent during the corresponding period of previous year. The increase in the exports was mostly on account of manufactured products, viz. engineering goods, leather and manufactured chemicals and allied products and petroleum.

Imports

Imports on the other hand grew by a lower rate of 8.0 per cent as compared with 10.5 per cent in 1999-2000.

Trade Deficit

Higher growth in exports and lower growth in imports resulted in a lower trade deficit at US $ 5.7 billion as compared with US $ 8.6 billion in the previous year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निर्यात ऋण हेतु कार्यविधि का सरलीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने निर्यात ऋण हेतु कार्यविधि को अधिक सरल बनाया है; यथा- क) साख पत्रों पर स्वीकृत सीमा से अधिक मात्रा में आहरित बिलों का परक्रामण करने हेतु लचीला दृष्टिकोण अपनाना , ख) शाखाओं को विवेकाधीन / ऊंचे मंजूरी अधिकार प्रत्यायोजित करना , ग) मंजूरी हेतु विचाराधीन बढ़ी हुई / तदर्थ सीमाओं के कतिपय प्रतिशत संवितरण हेतु शाखाओं को अधिकृत करना , घ) प्रत्येक संवितरण एवं निर्यात ऋण हेतु आदेश / साख पत्र की प्रस्तुति तथा हस्तगत आदेशों / साख पत्रों के विवरणों की आवधिक अंतराल पर प्रस्तुति में छूट सहित सभी मंजूरियां , मंजूरी पत्र में शामिल करना , ङ) त्वरित दावा निपटान को सुविधाजनक बनाने के लिए स्वीकृति की शर्तों के संबंध में निर्यात ऋण गारंटी निगम को तत्काल सूचना देना ।

बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष 2000-2001 के दौरान बैंकिंग उद्योग के प्रमुख निष्पादन सूचकांक निम्नानुसार रहे ।

बैंक जमाराशियां

मार्च 2001 के अंतिम शुक्रवार को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियां रु.9,83,268 करोड़ रहीं । जमाराशियों में वृद्धि रु.1,41,301 करोड़ रही । अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाराशियों में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वृद्धि मार्च 2001 को 15.5 प्रतिशत रही । अप्रैल से अक्तूबर 2000 के दौरान जमाराशियों में वार्षिक वृद्धि 15 से 16 प्रतिशत की बीच थी । लेकिन , आइएमडी जमाराशियों के आने से जमाराशियों में उर्ध्वगामी वृद्धि हुई जो 17-18 के प्रतिशत के बीच रही।

बैंक ऋण

मार्च 2001 के अंतिम शुक्रवार को बैंक ऋण रु.75,380 करोड़ की वृद्धि दर्शाते हुए 5,24,945 करोड़ रहा । मार्च 2001 को ऋण-जमा अनुपात 53.4 प्रतिशत था ।

मार्च 2001 को वर्ष-दर-वर्ष आधार पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में वृद्धि कम हो कर एक वर्ष पूर्व के 23.0 प्रतिशत की तुलना में 15.6 प्रतिशत रह गई । कम प्रतिशत वृद्धि के बावजूद,

Simplification of Procedures for Export Credit

During the year under report, Reserve Bank of India further simplified the procedures for export credit, such as a) adopting a flexible approach in negotiating bills drawn against LCs over and above the sanctioned limits b) delegating discretionary / higher sanctioning powers to branches c) authorisation to branches for disbursing a certain percentage of enhanced / ad-hoc limits pending sanction d) to incorporate all sanctions including waiver of submission of order / LC for every disbursal and export credit and submission of a statement of orders / LCs in hand at periodical intervals in the sanction letter and e) advise ECGC immediately about the terms of sanction to facilitate faster claim settlement.

Banking Scenario

Major performance indicators of banking industry during the year 2000-2001 were as under.

Bank Deposit

All the scheduled commercial banks have aggregate deposits of Rs.9,83,268 crore, as on the last Friday of March 2001. The rise in deposits is of Rs.1,41,301 crore. Deposits with scheduled commercial banks on year on year basis grew by 15.5 per cent as of March 2001. Annual growth in deposits from April to October 2000 was in the range of 15 to 16 per cent. However, following the IMD inflows, deposits growth went up and remained in the range of 17-18 per cent.

Bank Credit

As on the last Friday of March 2001, Bank Credit stood at Rs.5,24,945 crore, showing a rise of Rs.75,380 crore. The credit deposit ratio stood at 53.4 per cent as at March 2001.

As of March 2001, growth in credit by scheduled commercial banks slowed down to 15.6 per cent on year-on-year basis against 23.0 per cent a year ago. In spite of lower percentage growth,

www.reportjunction.com